अवधि: ०२ घंटे **पूर्णांक: ६०**

सूचना : १ सभी प्रश्न अनिवार्य है |
२. सभी प्रश्नों के उत्तर लिखते समय प्रश्न क्रमांक और उपक्रमांक अवश्य लिखे |

प्रश्न १. निम्नलिखित में से किसी दो दिर्घोत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए | **४०**

(क) रीति के भेदों का उल्लेख कीजिए |
(ख) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के आलोचनात्मक विचारों का विस्तृत परिचय दीजिए।
(ग) स्वछंदतावाद की विकासयात्रा के साथ विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
(घ) लोंजाइनस की उदात्त सम्बन्धी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए |

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किसी दो टिप्पणियों को लिखिए | **१०**

(च) अलंकार के स्वरूप एवं स्थापनाओं का विवेचन
(छ) छायावाद की प्रतिष्ठा में आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की भूमिका
(ज) कार्लमार्क्स की अवधारणा और सिद्धांत
(झ) अरस्तू के विरेचन सिद्धांत

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए | **१०**

१. भरत मुनि के ग्रंथ का नाम लिखिए?
२. कौनसे आचार्य ने अलंकार युक्त युक्ति को काव्य माना है?
३. वामन जिस तत्व को गुण कहते है दंडी उसे क्या कहते है?
४. संत कबीर को उनका वास्तविक श्रेय दिलाने का श्रेय किस विद्वान् को जाता है?
५. लोंजाइनस का सम्बन्ध किस देश से है?
६. प्लेटो को किसका गुरु माना जाता है?
७. अरस्तू किस पेशे से जुड़े हुए थे?
८. अरस्तु को किसका गुरू बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ?
९. अरस्तू का कौन सा ग्रंथ प्रसिद्ध है?
१०. औदात्य के बाधक तत्व क्या है?

****

XSAGARDADMINYC1EF8CXSAGARDADMINYC1EF8C